जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 155 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 3 जनवरी, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

चाचा-भतीजा फिर एक हों, यह नारा बार-बार क्यों फैंक रहा है अजित पवार खेमा?

पहले अजित पवार की माँ ने यह बात फैलाई, फिर एन.सी.पी. के कई नेताओं ने इस सोच के समर्थन में बयान देना शुरु किया

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल, जो अब अजित पवार के साथ हैं, ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी होगी, अगर पवार परिवार पुनः एक होता है, क्योंकि शरद पवार उनके लिये कुल देवता के समान है।
- एन.सी.पी. विधायक नरहरि जिरवाल ने कहा, उन्होंने अजीब लगा जब वे शरद पवार को छोड़कर आये। अतः वे शरद पवार व अजित पवार से आग्रह करते हैं कि वे एक हो जायें।
- एन.सी.पी. के प्रवक्ता अमोल मिटकरी के अनुसार, थोड़ा प्रयास हो दोनों तरफ से तो यह जरूर संभव है।
- अजित पवार ग्रुप से यह चर्चा शुरु करने का शायद यह मकसद है कि अजित पवार इसे मौका मानते हैं कि वे संयुक्त एन.सी.पी. के एकछत्र नेता बन सकते हैं, क्योंकि अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव में शरद पवार संयुक्त एन.सी.पी. के संभावित मार्गदर्शक बनना पसंद कर लें।
- दूसरी संभावना है कि अजित पवार का यह कदम भाजपा द्वारा प्रेरित है, ''ऑपरेशन लोटस'' के तहत।
- तीसरी संभावना यह जताई जा रही है कि कहीं यह सारा ''नाटकीय सोच'' स्वयं शरद पवार ही तो नहीं चलवा रहे।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जनवरी। शरद पवार के नेतृत्व वाले एन.सी.पी. गुट के साथ फिर से जुड़ने की एन.सी.पी. (अजित पवार) की उत्सुकता पैदा करने वाली गतिविधियाँ आखिर बता रही हैं? महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव समाप्त हो गए है और अजित पवार, देवेन्द्र फड़नवीस के नेतृत्व वाली सरकार में बड़े आराम एवं मजबूती के साथ उपमुख्यमंत्री भी बन गये हैं, जबकि एम.वी.ए. गठबंधन बुरी तरह परास्त हो गया है तथा टूटने के कगार पर है। ऐसी स्थिति में, अजित गुट पुनः एकीकरण के लिये आखिर दूत क्यों भेज रहा है?

अजित की माँ आशा ताई ने सबसे पहले, आजमाइशी तौर पर, एन.सी.पी. के दोनों गुटों के फिर से एक हो जाने की जरूरत बताई थी। वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल, जो अजित के साथ हैं, ने तत्काल ही इस कोशिश का समर्थन किया और कहा कि अगर पवार परिवार एक बार फिर एक होता है तो वे ''अत्यधिक प्रसन्न'' होंगे। पटेल ने तो शरद पवार को ''अपना देवता'' बताया।

महाराष्ट्र के चौंका देने वाले चुनावी जनादेश के बाद, जहाँ एम.वी.ए. पार्टनर, जिनमें एन.सी.पी. (एस.पी.) भी शामिल है, पूरी तरह से हताश हो गये हैं, वहीं अजित गुट संभवतः ऐसे अवसर की तलाश में है कि अजित पवार, अपने वयोवृद्ध चाचा के आशीर्वाद से एकीकृत एन.सी.पी. के एकमात्र एवं अविवादित नेता के रूप में उभरकर आ जायें। अजित गुट का मानना है कि अस्सी वर्षीय शरद पवार, अपने जीवन के शीतकाल में, एन.सी.पी. के मार्गदर्शक मण्डल में शामिल होने को अन्यथा रूप में नहीं लेंगे। यह संभव है और संभावित भी कि अजित पवार को इन कोशिशों के लिए भाजपा ने प्रेरित एवं तैयार किया हो। भाजपा की इस अनुमानित सोच को महाराष्ट्र में ''ऑपरेशन लोट्स'' के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जे.ई.ई. मेन परीक्षा की तारीख घोषित

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एन. टी. ए.) ने जे. ई. ई. मेन परीक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। यह देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा है।

- नैशनल टैस्टिंग एजेन्सी ने अधिसूचना जारी की, जिसके अनुसार जनवरी माह की 22, 23, 24, 28 और 29 को बी.ई. और बी.टैक की प्रवेश परीक्षाएँ होंगी।

अधिसूचना के अनुसार, बी. ई. और बी. टैक के लिए मुख्य परीक्षा जनवरी माह की 22, 23, 24, 28 और 29 तारीख को होंगी।

संभल जामा मस्जिद सर्वे रिपोर्ट अदालत में पेश

संभल, 02 जनवरी। संभल की जामा मस्जिद के सर्वे के लिए अदालत द्वारा नियुक्ति किए गए कोर्ट कमिश्नर ने अपनी रिपोर्ट गुरुवार को स्थानीय अदालत में दाखिल कर दी है। कैलादेवी

- इस सर्वे के दौरान संभल में भारी उपद्रव हुए थे, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

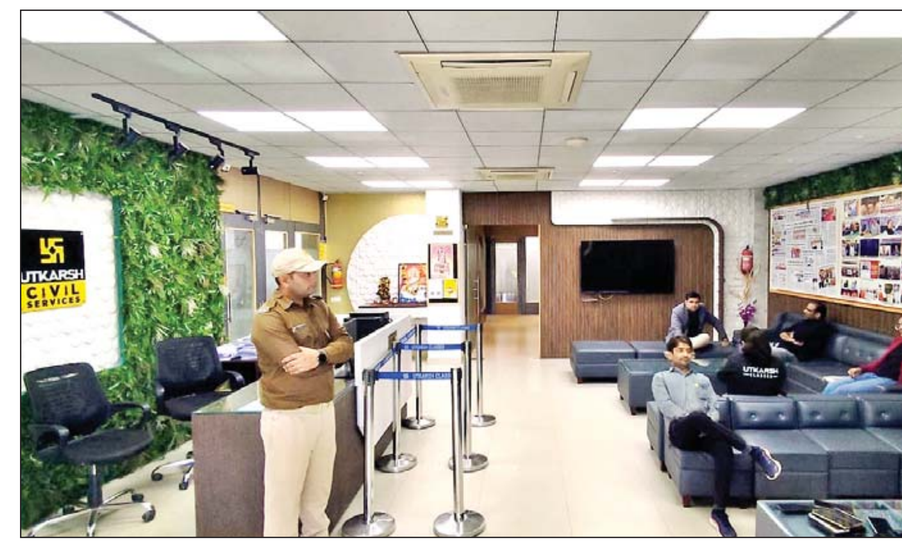

आयकर विभाग ने जयपुर में संचालित उत्कर्ष कोचिंग सैंटर पर छापेमारी की कार्यवाही की।

उत्कर्ष कोचिंग सैंटर पर आयकर विभाग की देशभर में छापेमारी

जोधपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर, इंदौर व प्रयागराज समेत कई सैंटर्स पर गुरुवार सुबह आयकर टीमों ने एक साथ दबिश दी

-कार्यालय संवाददाता-

जोधपुर/जयपुर, 2 जनवरी। आयकर विभाग ने उत्कर्ष कोचिंग सेंटर और इससे जुड़े ठिकानों पर गुरूवार सुबह देशभर में रेड की। सिविल सर्विसेज की तैयारी करवाने वाले उत्कर्ष कोचिंग के जोधपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर, इंदौर व प्रयागराज समेत अधिकतर सेंटर्स पर गुरूवार सुबह 6 बजे आयकर टीमों ने एक साथ दबिश देकर तलाशी की कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि आयकर टीमों ने बड़े पैमाने पर दस्तावेज, कम्प्यूटर के हार्ड डिस्क जब्त किए है।

- सूत्रों की मानें तो आयकर विभाग को शिकायतें मिली थी कि उत्कर्ष कोचिंग समूह और फिज़िक्स वाला के बीच कुछ महीनों पहले 800 करोड़ रु. की पार्टनरशिप को लेकर बड़ी डील हुई थी। इसके बाद उत्कर्ष के प्रबंधन में फिज़िक्स वाला की इन्वॉल्वमेंट बढ़ी और बड़े पैमाने पर अघोषित लेन-देन हुआ।
- आयकर टीमों ने उत्कर्ष समूह के साथ-साथ इससे जुड़े बड़े वैंडर्स के ठिकानों पर भी तलाशी की कार्रवाई को अंजाम दिया।

सूत्रों की मानें तो आयकर विभाग को शिकायतें मिली थी कि उत्कर्ष कोचिंग समूह और फिजिक्स वाला के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सतीश शर्मा राजस्थान के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त बने

सतीश शर्मा

जयपुर (कासं), 2 जनवरी। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आदेश जारी कर राजस्थान के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार सतीश शर्मा को सौंपा है। वे वर्तमान में पी.सी.सी.आई.टी. (ओ.एस.डी.) और पुणे रीजन के महानिदेशक आयकर अन्वेषण के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। वर्ष 1989 बैच के आई.आर.एस. अधिकारी सतीश शर्मा पूर्व में भी सहायक आयुक्त, उपायुक्त, संयुक्त आयुक्त और केन्द्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओवैसी ने पूजा-स्थल कानून के क्रियान्वयन के लिए याचिका दायर की

सुप्रीम कोर्ट ने ओवैसी की याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार की

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। प्लेसेज़ ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रोवीज़न्स) एक्ट 1991 के क्रियान्वयन की मांग करने वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुसलमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सहमति दे दी है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार ने आदेश दिया है कि ओवैसी की याचिका को जमीयत उलेमा-ए-हिंद द्वारा दायर याचिका के साथ संलग्न कर दिया जाए।

- चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बैंच ने याचिका को इस मसले पर दायर अन्य याचिकाओं के साथ संलग्न करने के आदेश दिए।
- इस मसले पर अगली सुनवाई फरवरी में होने की संभावना है।

एडवोकेट निज़ामुद्दीन पाशा ओवैसी की तरफ से उपस्थित हुए इस पर फरवरी से सुनवाई होने की संभावना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्वानों के नोचने से बच्ची की मौत पर रिपोर्ट तलब

जयपुर, 2 जनवरी। राज्य मानवाधिकार आयोग ने खैरथल में श्वानों के नोचने से सात साल की बालिका की मौत को मानवता के लिए कलंक बताया है। इसके साथ ही आयोग ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए स्थानीय कलेक्टर और नगर परिषद आयुक्त से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब कर पीडित पक्ष को हर्जाना देने को कहा है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर प्रसंज्ञान लेते हुए दिए।

- राज्य मानवाधिकार आयोग ने खैरथल की घटना पर प्रसंज्ञान लिया।

आयोग ने कहा कि हम कल्याणकारी राज्य में रह रहे हैं, जहां राज्य का दायित्व है कि वह प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराए। इस घटना से साबित है कि संबंधित अधिकारी अपने विधायी दायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। स्थानीय निकायों की ओर से आवारा पशुओं एवं कुत्तों को कांजी हाऊस में बंद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होसुर में फील्ड एयरपोर्ट निर्माण की योजना मुश्किल में पड़ी

तमिलनाडु सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का विरोध कर रहे हैं, स्थानीय किसान

- तमिलनाडु सरकार बैंगलोर से सटे होसुर में 2000 एकड़ जमीन में एयरपोर्ट बनाने की तैयारी में है। क्षेत्र के सात गाँवों के किसान इसके विरोध में लामबंद हो गए हैं। उन्हें डर है कि इससे उनकी खेती नष्ट हो जाएगी।
- तमिलनाडु सरकार औद्योगिक टाउन होसुर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाकर इस क्षेत्र में परिवहन सुगम करना चाहती है और बैंगलोर का रुख करने वाले उद्यमियों को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहती है।

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। तमिलनाडू सरकार का प्रस्ताव होसुर के किसानों ने ठुकरा दिया है। बैंगलोर से सटे तमिलनाडु के शहर में एक एयरपोर्ट बनने का प्रस्ताव है।

गत दो साल से तमिलनाडू सरकार इस औद्योगिक रूप से विकसित होसुर में एयरपोर्ट बनाने की योजना बना रही है और बैंगलोर एयरपोर्ट से विरोध का सामना कर रही है। लेकिन अब तमिलनाडू की तरफ से सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं तथा एयरपोर्ट निर्माण के लिए जमीन भी चिन्हित कर ली गई है।

लेकिन 20 किसानों के एक समूह के स्थानीय कलैक्टर को एक प्रार्थनापत्र देकर प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट निर्माण का विरोध किया है किसानों को डर है कि एयरपोर्ट बनने से डेनकानिकोट्टाई और होसुर बैल्ट के 7 गांवों के खेत प्रभावित होंगे। इसके अलावा इससे जीविका व खेती करने की स्थिति पर भी चिंता बढ़ गई है। किसानों को यह भी डर है कि कई अन्य गांव जो विकास की दलीलों के आगे झुक गए थे और उन्हें परेशानी झेलनी पड़ी वैसे ही इन्हें भी झेलनी पड़ेगी। क्योंकि रोजगार हमेशा बाहरी लोगों को मिलता है और गांव वालों को रोजगार के योग्य नहीं समझा जाता है।

स्थानीय लोगों को लगता है कि एयरपोर्ट से स्थानीय गांवों को भारी नुकसान होगा। गांव वालों का कहना है कि एरियल सर्वे न करवाया जाए। अधिकारियों का कहना है कि तमिलनाडू सरकार ने अभी जगह का चुनाव नहीं किया है।

प्रार्थना पत्र में ड्रोन सर्वे का जिक्र है लेकिन जिला प्रशासन ने ऐसे किसी सर्वे की अनुमति नहीं दी है तहसीलदारों को इस दावे की जांच करने का आदेश दिया गया है। प्रोजैक्ट ऐसे समय में आया है जब तमिलनाडू के होसुर एयरपोर्ट के जवाब के कर्नाटक सरकार बैंगलौर में दूसरा एयरपोर्ट बनाने जा रही है।

तमिलनाडू सरकार ने ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए होसुर एवं कृष्णगिरी का चुनाव किया है जिससे क्षेत्र के माल परिवहन और निर्माण से जुड़ी समस्याओं का समाधान होगा।

हालांकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ए. ए. आई.)ने इन क्षेत्रों का अध्ययन नहीं किया है। सितम्बर से ए. ए. आई. और तमिलनाडू औद्योगिक विकास निगम की टीमों ने चार जगहों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'डॉ. अंबेडकर 2 जनवरी, 1940 को आर.एस.एस. की सतारा जिले की कराड़ में आयोजित शाखा देखने गये थे तथा स्वयंसेवकों को संबोधित किया'

आर.एस.एस. की सहयोगी इकाई विश्व संवाद केन्द्र ने ये दावा किया और यह भी कहा कि पुणे से प्रकाशित अखबार ''केसरी'' में यह खबर 9 जनवरी 1940 के अंक में छपी भी है

- विश्व संवाद केन्द्र ने संघ के विचारक दत्तोपंत ठेंगडी की पुस्तक ''डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा'' का भी जिक्र किया। पुस्तक के आठवें चैप्टर में लिखा है कि संघ के स्वयंसेवक व डॉ. अंबेडकर नियमित संपर्क में थे तथा काफी वैचारिक मंथन करते थे।
- विश्व संवाद केन्द्र के अनुसार, महात्मा गांधी भी 1934 में आर.एस.एस. के वर्धा में आयोजित कैम्प को देखने गये थे और उन्होंने विज़िट के बाद कहा, ''पहली बार स्वयं अनुभव किया, उस शिविर में कोई भी स्वयंसेवक न उनकी और न किसी अन्य की जात जानने का इच्छूक था। दूसरे दिन उन्होंने संघ के संस्थापक हेडगेवार से भेंट की और उन्हें बधाई दी, अस्पृश्यता के विरूद्ध चलाये गये आंदोलन का सफलता से क्रियान्वयन करने के लिये।
- यह भी सोच चर्चा में है कि विश्व संवाद केन्द्र की यह गतिविधि, चार दशक पूर्व फाइनल किए गए सुनियोजित प्लान के तहत हो रही है, तब संघ ने यह निश्चय किया था कि स्वतंत्रता की लड़ाई के नायकों को जैसे शहीद भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल व कांग्रेस के बीच दूरी पैदा कर इन क्रांतिकारियों पर कांग्रेस का एकाधिकार समाप्त किया जाय।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों को अपना बनाने के एक और गूढ़ एवं चिकने-चुपड़े ''अपनाव अभियान'' (ऑपरेशन अप्रोप्रिएशन) के अन्तर्गत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक की मीडिया विंग ने आज दावा किया कि संविधान के मुख्य शिल्पी, डॉ. भीमराव अंबेड़कर 1940 में महाराष्ट्र के सतारा जिले की एक ''शाखा'' में आये थे।

संघ की संचार शाखा ''विश्व संवाद केन्द्र (वी.एस.के.) ने कहा कि आर.एस.एस. ने ''अपनी अब तक की यात्रा में अनेकानेक चुनौतियों का सामना किया है तथा इसके खिलाफ बहुत से आरोप लगाये गये हैं, लेकिन इसने इन सभी आरोपों को गलत सिद्ध कर दिया है तथा एक सामाजिक संगठन के रूप में अपनी पहचान बार-बार पुष्ट की है।''

वी.एस. ने कहा, आर.एस.एस. पर दलित-विरोधी होने के आरोप थे तथा डॉ. अंबेडकर और आर.एस.एस. को लेकर भ्रामक जानकारियाँ फैलाई गईं। लेकिन अब, डॉ. अंबेडकर और आर.एस.एस. के बारे में एक नया दस्तावेज सामने आया है, जो डॉ. अंबेडकर और आर.एस.एस. के बीच के संबंध पर प्रकाश डालता है।''

आर.एस.एस. के मुख पत्र के अनुसार, अंबेडकर 2 जनवरी, 1940 को सतारा जिले के कराड़ नामक कस्बे की एक ''शाखा'' में गये थे तथा वहाँ उन्होंने ''स्वयंसेवकों'' को सम्बोधित भी किया था।

आर.एस.एस. ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने अपने सम्बोधन में कहा था, ''हालाँकि कुछ मुद्दों को लेकर मतभेद है, लेकिन मैं संघ को घनिष्टता के भाव से देखता हूँ।''

सन् 1940 में पूणे से प्रकाशित मराठी दैनिक ''केसरी'' के 9 जनवरी के अंक में डॉ. अम्बेडकर के आर.एस.एस. शाखा में जाने के बारे में एक रिपोर्ट भी प्रकाशित हुई थी। वी.एस.के. ने अपने बयान के साथ इस खबर की क्लिपिंग भी दी है। लेख में, रिपोर्ट ने आर.एस.एस. के विचारक दत्तोपन्त ठेंगड़ी की लिखी पुस्तक ''डॉ. अम्बेडकर और सामाजिक क्रान्ति की यात्रा'' का हवाला भी दिया है। यह पुस्तक आर.एस.एस. और डॉ. अम्बेडकर के बीच के सम्बन्ध के बारे में बताती है।

इस पुस्तक के आठवें अध्याय के प्रारंभ में, ठेंगड़ी कहते हैं कि डॉ. अम्बेडकर को आर.एस.एस. की पूरी जानकारी थी। इसके स्वयंसेवक उनके नियमित सम्पर्क में थे तथा वे उनसे चर्चा किया करते थे।

वी.एस.के. ने ठेंगड़ी की पुस्तक को उद्धृत करते हुये कहा, ''डॉ. अम्बेडकर यह भी जानते थे कि आर.एस.एस. हिन्दुओं को संगठित करने वाला एक अखिल भारतीय संगठन है। वे यह भी जानते थे कि हिन्दुओं के प्रति वफादार या हिन्दुओं को संगठित करने वाले संगठनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)